विद्यालय नेतृत्व: समावेश

हिन्दी
Inclusive education हमारी government policy में है। हमारा विद्यालय जो है, इसमें बिना किसी भेदभाव के, हर बच्चे को प्रवेश दिया जाता है। Even जब admission होता है, तो उनका कोई test भी नहीं लिया जाता है। जिस बच्चे ने class eighth pass कर रखा है, वो बच्चा, अगर हमारे विद्यालय में प्रवेश लेना चाहता है, तो उसको प्रवेश दिया जा रहा है, बिना ये जाने कि वो किस caste का है, किस class का है। अगर, कोई विकलांग बच्चा भी हमारे विद्यालय में आ रहा है, तो उसको भी हम, equally importance दे रहे हैं। सुशील यादव, class nineth का student है। और सुशील ने जुलाई में हमारे school में admission लिया है। पहले तो हम लोगों को लगा कि, 'ये कैसे लिखेगा?' लेकिन फिर उसने, जब लिखकर दिखाया और उसका concept, काफी clear है। कोई भी subject matter, जो उसके age specific या class specific requirements हैं, उसके according उसको कोई problem, ऐसी दिखती नहीं है। वो और बच्चों से, ज्यादा बेहतर कर पा रहा है। उसके दोनों हाथ नहीं है, जैसा आप लोगों ने देखा है। लेकिन वो अपने पैर से लिखता है। और पैर से लिखने में उसको balance बहुत करना पडता है। लेकिन वो फर्श पर बैठकर लिखता है। Personally, मैं ऐसा feel करती हूँ कि, वो बच्चा, बहुत अच्छा कर सकता है। और उसके लिए एक वातावरण देना हमारी जिम्मेदारी है। ये हमारी responsibility है, कि हम उस बच्चे को विद्यालय में, शैक्षिक वातावरण दे सकें, और उसको कोई भी तकलीफ़ न हो।